चाईबासा (झारखंड) | विश्वास और अंधविश्वास की वो दर्दनाक दास्तां, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया

बेईमान तांत्रिक

demo pic.

बेटे की तबियत ठीक करवाने के लिए मां ने इलाके के नामी तांत्रित पांडे नाग को अपने घर बुलाया था लेकिन उसे क्या मालूम था कि उसके बेटे को तो कुछ लाभ होगा नहीं उल्टे नाबालिग बेटी की जिंदगी भी खराब हो जाएगी।

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसा तोड़ांगहातु गांव का मुंडासाई टोला आज भी आधुनिकता की चकाचौंध से कोसों दूर है। यहां की कच्ची सड़कें, मिट्टी के घर और हरियाली से भरे खेत किसी खूबसूरत चित्रकारी से कम नहीं लगते, लेकिन इस खूबसूरती के पीछे एक ऐसा काला सच छिपा था, जिसने 1 मार्च 2026 को पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

तोड़ांगहातु गांव में रहने वाला एक गरीब परिवार। परिवार में माता-पिता, दो छोटे बच्चे - एक बेटा और एक बेटी। बेटी अभी नाबालिग थी, खेल-कूद में मस्त रहने वाली। परिवार के पास जमीन-जायदाद तो नाममात्र की थी, लेकिन प्यार और अपनापन भरपूर था। कुछ दिनों से परिवार का छोटा बेटा बीमार था। छोटे से गांव में न तो कोई अस्पताल था, न ही कोई अच्छा डॉक्टर। गांव वाले छोटी-मोटी बीमारियों के लिए जड़ी-बूटी या झाड़-फूंक पर ही निर्भर थे।

बच्चे की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही थी। बुखार ऐसे नहीं उतर रहा था जैसे उसे कोई झांपा हो। परिवार की मां ने कई दिनों तक घरेलू नुस्खे आजमाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। तभी किसी पड़ोसी ने पांडे नाग का नाम सुझाया। पांडे नाग, उम्र करीब 57 साल, इलाके का जाना-माना तांत्रिक था। कहा जाता था कि उसके पास ऐसी शक्तियां हैं कि वह भूत-प्रेत को भगा सकता है और बीमारियों को जड़ से खत्म कर सकता है। उसके नाम की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई थी। ग्रामीणों की भीड़ उसके पास उमड़ती थी। किसी ने उसे सच्चा माना तो किसी ने ढोंगी, लेकिन ज्यादातर लोग उसे एक चमत्कारी इंसान मानते थे।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

परिवार ने सोचा, क्यों न एक बार पांडे नाग को ही बुलाया जाए। शायद उसके मंत्रों से बच्चा ठीक हो जाए। किसी को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि यह फैसला उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती साबित होगी।

1 मार्च की सुबह। सूरज की पहली किरणों के साथ ही परिवार ने पांडे नाग को अपने घर बुलाने का फैसला कर लिया। वह आया - एक लंबा, दुबला-पतला आदमी, माथे पर लाल-पीला तिलक लगाए, गले में रुद्राक्ष की माला, हाथ में एक झोला जिसमें से सूखी जड़ी-बूटियों और धूप की गंध आ रही थी। उसकी आंखों में एक अजीब सी चमक थी, जो आम लोगों को भरमा सकती थी।

पांडे नाग ने बीमार बच्चे को देखा, उसके सिर पर हाथ फेरा, और फिर पूजा-पाठ शुरू कर दिया। उसने घर के आंगन में एक छोटी सी चौकी बनाई, उस पर लाल कपड़ा बिछाया, और उस पर कुछ मूर्तियां और सामग्री सजा दीं। फिर उसने मंत्रों का जाप करना शुरू किया - अजीब-अजीब से शब्द, जो किसी की समझ में नहीं आते थे, लेकिन उसके चेहरे का गंभीर भाव देखकर सब चुपचाप सुनते रहे।

करीब दो घंटे तक यह सिलसिला चलता रहा। धूप की महक, मंत्रों की गूंज सब कुछ इतना सामान्य लग रहा था कि किसी को शक की कोई गुंजाइश नहीं थी। परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली कि अब उनका बच्चा जल्द ही ठीक हो जाएगा। उन्हें नहीं पता था कि यह सिर्फ एक नाटक था, एक शिकार को फंसाने का जाल।

पूजा-पाठ के बाद पांडे नाग ने अपनी असली मंशा को अंजाम देने के लिए एक चाल चली। उसने पीड़िता की मां से कहा, देखो, जो पूजन सामग्री इस्तेमाल हुई है, उसे किसी पवित्र नदी या तालाब में विसर्जित करना बहुत जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सारे मंत्र बेकार हो जाएंगे और बच्चे पर उल्टा असर हो सकता है।

मां ने बिना देर किए सामग्री इकट्ठा की और अपने छोटे बेटे को साथ लेकर विसर्जन के लिए निकल गई। वह सोच भी नहीं सकती थी कि यह तांत्रिक उन्हें जानबूझकर घर से दूर भेज रहा है। घर में अब सिर्फ दो लोग बचे थे - वह नाबालिग बच्ची, जो खेल-खेल में अपने आंगन में बैठी थी, और पांडे नाग, वह शैतान जो उसकी जिंदगी तबाह करने वाला था।

जैसे ही मां और भाई गांव के बाहर निकले, पांडे नाग ने अपना असली चेहरा दिखाया। उसने बाहर आंगन में बैठी नाबालिग को अंदर बुलाकर पूजा में सामने बैठने को कहा। बच्ची कुछ डरी तो उसने आंखे दिखाते हुए कहा क्या तेरी मां तुझे बताकर नहीं गई कि अब तेरी पूजा होगी। अगर तूने पूजा में बैठने से मना किया या मेरी बात मानने से इंकार किया तो तेरी मां और भाई की वहीं नदी के घाट पर मौत हो जाएगी। मां और भाई के मरने की बात से डरकर बच्ची चुपचाप पूजा में बैठ गई। जिसके बाद शरीर पर सिंदूर लगाने के नाम पर पांडे नाग पहले उस मासूम के शरीर के नाजुक अंगों को छूता मसलता रहा फिर कुछ देर के बाद उसने मासूम से अपने सारे कपड़े हटाने का आदेश दिया। बच्ची ने ऐसा करने से मना किया तो पास में रखी शराब की बोतल एक घूंट में खत्म करने के बाद तांत्रिक अपनी जगह से उठा और उसने बच्ची को गोद में उठाकर उसके सारे कपड़े खोलकर फेंक देने के बाद उसके साथ बलात्कार कर डाला।

शेष पृष्ठ 7 पर...

पहले भी बलात्कार के आरोप में जा चुका है जेल

जांच में सामने आया है कि इससे पहले भी पांडे नाग को बलात्कार के आरोप में सजा सुनाई जा चुकी है। तब उसने गांव की एक युवती के साथ बलात्कार किया था। सजा काटने के बाद वह बाहर आया और फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ा। इस बार उसने तांत्रिक का भेष धारण कर लिया था ताकि लोगों का विश्वास जीतकर अपने मंसूबों को अंजाम दे सके।

अन्य मामलों की खोज में जुटी पुलिस

पांडे नाग की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने यह भी पता लगाना शुरू कर दिया है कि कहीं उसने अपने तांत्रिक के भेष में और भी ऐसी वारदातों को अंजाम तो नहीं दिया है। उसके खिलाफ पिछले मामलों की भी जांच की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उसकी सजा पूरी होने के बाद भी वह समाज के लिए खतरा न बना रहे।

सत्यकथा

भोपाल : शादीशुदा समीर के संग लिव इन में रह रही दीवानी की सेप्टिक टैंक में मिली लाश

एक घरवाली एक बाहर...

सोशल मीडिया पर इश्क परवान चढ़ने के बाद अशरफी शादीशुदा प्रेमी के साथ उसी के घर में बिना निकाह की बेगम बनकर रहने लगी थी। सौतन आ जाने के बाद समीर की बेगम नाराज होकर अपने मायके चली गई तो अशरफी समीर पर निकाह करने का दबाब बनाने और निकाह न करने की सूरत में पांच लाख रुपयों की मांग करने लगी थी। जिससे तंग आकर समीर ने उसकी हत्या कर दी।

demo pic.

भोपाल के निशातपुरा इलाके में स्थित कमल नगर आमतौर पर उन इलाकों में गिना जाता है, जहां जिंदगी अपनी रफ्तार से चलती है। यहां के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं, त्योहार मनाते हैं और रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों पर बातचीत करते हैं। लेकिन फरवरी 2026 के दूसरे सप्ताह में इस मोहल्ले की शांति पर एक ऐसा सन्नाटा छा गया, जिसने हर किसी की रूह कंपा दी। वजह थी एक सेप्टिक टैंक के अंधेरे से निकली एक लोहे की पेटी, जिसमें से आ रही दुर्गंध ने इलाके वालों को हैरान कर दिया था। 19 फरवरी की दोपहर को जब इस पेटी को बाहर निकाला गया, तो उसमें से जो निकला, उसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी।

उस रोज दोपहर निशातपुरा के हनीफ भाई के प्लॉट के पास से गुजर रहे राहगीरों की नाक सिकुड़ गई। प्लॉट में बने एक सैप्टिक टैंक से असहनीय बदबू आ रही थी। शुरू में लोगों ने सोचा कि कोई जानवर मर गया होगा या टैंक ओवरफ्लो हो गया है। लेकिन जिज्ञासावश जब झांक कर देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। टैंक के गंदे पानी में एक लोहे की बड़ी पेटी तैर रही थी, जिसमें रस्सी बंधी हुई थी। पेटी से ही वह दुर्गंध आ रही थी। यह कोई आम पेटी नहीं लग रही थी। वह काफी बड़ी पेटी अच्छी हालत में थी जिससे यह तो साफ था कि किसी ने कबाड़ मानकर उसे टैंक में नहीं फेंका है। दूसरे उसे रस्सी से बांधा गया था। इसलिए सब मिला कर स्थिति संदेह पैदा करने वाली थी जिससे कुछ ही देर में यह खबर मोहल्ले में आग की तरह फैल जाने के बाद यह खबर निशातपुरा थाने तक भी पहुंच गई।

निशातपुरा थाना प्रभारी मनोज पटवा और एसआई श्रीकांत द्विवेदी ने जैसे ही टैंक के पास जाकर स्थिति का जायजा लिया, उन्हें अंदाजा हो गया कि मामला गंभीर है। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उस पेटी को टैंक से बाहर निकाला। जैसे ही पेटी खोली गई, वहां मौजूद हर शख्स सन्न रह गया। पेटी में एक युवती की लाश थी, जो कई दिन पुरानी होने के चलते बुरी तरह सड़ चुकी थी। महिला के कपड़े और शारीरिक बनावट से अंदाजा लगाया जा सकता था कि उसकी उम्र करीब 20-25 साल के बीच रही होगी। उसके हाथ पर 26 मई 1992 लिखा एक टैटू और दीप का निशान था। यही इकलौती पहचान थी, जो उस वक्त पुलिस के हाथ लगी थी। पुलिस का अनुमान था कि यह टैटू युवती की जन्म तारीख का हो सकता है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी और शव को करीब 4-5 दिन पहले टैंक में फेंका गया था। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी मृतका की शिनाख्त करना। हाथ का टैटू और चेहरा जो सड़न के कारण पहचान में नहीं आ रहा था, इन दो आधारों पर पुलिस ने मोहल्ले के लोगों और आस-पास के इलाकों में पूछताछ शुरू की। टीआई श्री पटवा जानते थे कि शव कि पहचान हुए बिना आरोपियों तक पहुंचना मुश्किल है इसलिए उनके निर्देश पर एक टीम ने कमल नगर और आसपास के इलाकों में डेरा डाल दिया। हर उस शख्स से पूछताछ की जा रही थी, जिसके बारे में कोई संदेह था। टीम के कई सदस्य सादा वर्दी में घूम घूम कर टैंक में मिली लाश के बारे में चल रहीं चर्चाओं पर कान लगाए थे। जिसका नतीजा यह हुआ कि पुलिस के सामने एक नाम आया समीर का जो इसी इलाके का रहने वाला था। चर्चाओं में पता चला कि शादीशुदा समीर के पास कुछ महीनों पहले आई 22-25 साल की निहायत ही खूबसूरत युवती उसकी दूसरी बेगम बन कर रह रही थी। पहली बेगम को सौत मंजूर नहीं थी। दोनों जवान थी इसलिए आए दिन उनके बीच इस बात को लेकर झगड़ा होता रहता था कि समीर रात किसके कमरे में बिताएगा। पुलिस को यह भी पता चला कि समीर ज्यादातर बाहर से आई लड़की के साथ वक्त बिताता था इससे नाराज होकर उसकी पहली बेगम अपने वालिद के घर चली गई थी।

शेष पृष्ठ 2 पर...

पेज 1 से जारी

भोपाल का चर्चित मामला

मृतका अशरफी

यहां तक तो मसला समीर की निजी जिंदगी से जुड़ा हो सकता था लेकिन पुलिस के कान खड़े तो तब हुए जब पता चला कि जो लड़की बाहर से आकर समीर के साथ रह रही थी वह पिछले 5-7 दिन से दिखाई नहीं दी थी। पुलिस को यह सुराग बेहद अहम लगा। देर रात समीर को हिरासत में ले लिया गया।

शुरू में समीर पुलिस को गोल-मोल जवाब देता रहा। वह बार-बार अपने बयान बदल रहा था। उसका कहना था कि उसे किसी लड़की के बारे में नहीं पता। लेकिन पुलिस की सख्त पूछताछ और सबूतों के सामने वह ज्यादा देर टिक नहीं पाया। आखिरकार उसने हत्या की बात कबूल कर ली। लेकिन जो उसने बताया, वह किसी सनसनीखेज फिल्म की कहानी से कम नहीं था।

समीर ने बताया कि मृतका का नाम अशरफी उर्फ सिया उर्फ मिस्बाह था। उसकी तरह 22 साल की अशरफी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की रहने वाली थी। दोनों की मुलाकात करीब एक साल पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। डेटिंग एप की चैटिंग ने जल्द ही प्यार का रूप ले लिया। बातचीत इतनी गहरी हुई कि अक्टूबर 2025 में अशरफी भोपाल आ गई। वह सीधे समीर के कमल नगर स्थित घर में उसके साथ रहने लगी। लेकिन वह नहीं जानती थी कि समीर पहले से शादीशुदा था और दो बच्चों का पिता था।

समीर के घर में अशरफी के आने से घर का माहौल बदल गया। समीर की पत्नी, जो पहले से ही उसके साथ रहती थी, अशरफी से रोज झगड़ती थी। दरअसल समीर अपनी बेगम से ज्यादा अशरफी के प्यार करने के तरीकों का दीवाना था। इसलिए अशरफी के आने के बाद वह कभी कभार ही मजबूरी में अपनी पहली बेगम के साथ रात बिताता था। समीर की पहली बेगम बाहर से भागकर आई लड़की के प्रति अपने शौहर की दीवानगी से नाराज रहती थी। जिससे रोज रात में उसके और अशरफी के बीच इस बात को लेकर झगड़ा होता था कि समीर रात किसके कमरे में रहेगा। कुछ दिनों तक यह विवाद चलता रहा जिसके बाद इससे तंग आकर समीर की बेगम अपने दोनों बच्चों के साथ मायके चली गई।

इस घटना से अशरफी बेहद खुश थी। उसे लगता था कि समीर की बेगम अब कभी वापस नहीं आएगी। इसलिए पहले से ही समीर के साथ निकाह करने की ठान कर उसके घर में दाखिल हुई अशरफी अब समीर पर निकाह करने का दबाव बनाने लगी। लेकिन समीर ने कभी ऐसा नहीं सोचा था उसके लिए तो अशरफी केवल मौज मस्ती का साधन थी। इसी लिए वह उसके वापस जाने से पहले उसके साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताने के लिए बेगम के सामने उसको ज्यादा महत्व देता था। मगर अब बेगम फिलहाल हाथ से चली गई थी और अशरफी उसके गले पड़ने लगी थी। क्योंकि वह समाज के सामने निकाह करके समीर के साथ वैध रिश्ते में बंधना चाहती थी। लेकिन समीर पहले से शादीशुदा था और उस पर दो बच्चों की जिम्मेदारी थी। वह अशरफी से शादी नहीं करना चाहता था।

इसलिए कुछ समय तक तो समीर अशरफी को टालता रहा लेकिन जब उसने देखा कि वह किसी भी हाल में उसका पीछा छोड़ने वाली नहीं है तो उसने एक रोज अशरफी से साफ कह दिया कि वह उसके साथ मौज मस्ती कर सकता है इसके लिए अशरफी चाहे तो हमेशा उसके साथ रह सकती है लेकिन वह उसके साथ निकाह नहीं कर सकता।

समीर की बात सुनकर अशरफी को ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि मर्दों की फितरत को वह अच्छी तरह से जानती थी। इसलिए उसने रोने गाने के बजाए समीर से अपने संग अब तक की गई मस्ती के बदले 5 लाख रुपयों की मांग रख दी। उसका कहना था कि मस्ती की है तो कीमत चुकानी पड़ेगी, या तो निकाह करो या फिर पैसा दो।

समीर ने पैसा देने में आनाकानी की जो अशरफी ने साफ कह दिया कि अगर पैसा नहीं दिया तो वह पूरे घर को जेल की चक्की पिसवा देगी। इससे समीर के मन में अशरफी का खौफ और उसके प्रति गुस्सा पनपने लगा। उसने अशरफी को समझाने की कोशिश की और जीवन भर उसे साथ रखने का भरोसा दिलाया। लेकिन अशरफी ने उससे कहीं अधिक दुनियां देखी थी जितनी समीर ने देखी थी। इसी बीच समीर को पता चला कि उससे पहले महज 22 साल की उम्र में अशरफी एक दो नहीं बल्कि तीन निकाह करके अपने पतियों को छोड़ चुकी है तो समीर के पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसने अशरफी से इस बारे में बात की तो अशरफी शान से बोली क्या करूं मेरा हुश्न ही कुछ ऐसा है कि लड़के मुझे देखते ही फिसल जाते है। लेकिन मेरा संग देना सबके वश की बात नहीं इसलिए मैंने उन्हें चलता कर दिया। एक तू है जो मन को भाया है लेकिन तू किनारा करना चाहता है तो कोई बात नहीं पैसा दे दे और मुझसे छुटकारा पा ले। बिना पैसा दिए तेरे बचने का दूसरा कोई रास्ता नहीं। पूरा घर जेल जाएगा अशरफी ने उसे एक बार फिर धमकी दी।

अब तक समीर के परिवार को अशरफी की धमकी का पता लग चुका था। इसलिए पूरा घर डरा हुआ था। पैसा होता तो उसे अशरफी को देकर छुटकारा पा लेते लेकिन उनके पास पैसा था नहीं और बिना पैसा लिए अशरफी समीर की जान छोड़ने राजी न थी।

इसलिए जब अशरफी नाम की खूबसूरत बला से बचने का कोई रास्ता नहीं दिखा तो समीर ने अपनी मां शहनाज बी , छोटे भाई साहिल और बहन साइमा के साथ मिलकर एक सुनियोजित साजिश रची जिसमें तय किया गया कि अशरफी को रास्ते से हटा दिया जाए। घटना की रात। घर में सन्नाटा था। अशरफी और समीर के बीच फिर से किसी बात पर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ी कि समीर का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने अशरफी पर हमला कर दिया। आरोप है कि समीर ने अपने परिवार के साथ मिलकर अशरफी की गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी। चीख-पुकार मची, लेकिन उस वक्त किसी को भनक तक नहीं लगी।

हत्या के बाद परिवार के सामने सबसे बड़ी समस्या थी लाश को ठिकाने लगाने की।

हत्या के बाद तत्काल समीर को लाश ठिकाने लगाने का कोई रास्ता नहीं सूझा तो लाश को कमरे में रखी लोहे की बड़ी पेटी में भरकर रख दिया गया।

शेष पृष्ठ 7 पर...

एक घरवाली एक बाहर...

“ इश्क के फेर में समीर का पूरा परिवार सलाखों के पीछे है। आरोप है कि अशरफी की हत्या में समीर के छोटे भाई, बहन और मां ने भी साथ दिया था इसलिए पुलिस इन सभी को आरोपी बनाया है।

टैंक में पड़ी लाश

समीर से पहले तीन निकाह कर चुकी थी अशरफी

पुलिस जांच के दौरान इस तरह के संकेत मिले है कि समीर के साथ लिव इन में आने से पहले अशरफी राजस्थान और महाराष्ट्र में तीन युवकों से निकाह कर चुकी थी। सूत्रों की माने तो अशरफी अपनी खूबसूरती को हथियार की तरह इस्तेमाल करती थी। सोशल मीडिया पर इश्क का जाल फैलाने के बाद युवकों के निकाह कर उससे बड़ी रकम वसूल का उन्हें छोड़ देती थी। पुलिस मृतका के परिजनों की तलाश कर रही है।

जनता का गुस्सा

सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद साथ आकर रहने लगी थी

मुख्य आरोपी तथा छोटा भाई

जांच में सामने आया है कि समीर और अशरफी की दोस्ती सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। बताया जाता है कि समीर ने अशरफी के सामने खुद के विवाहित होने की बात छुपाई थी। अशरफी ने भी उसे अपनी पुरानी जिंदगी के बारे में कुछ नहीं बताया था। इसलिए एक दूसरे को अंधेरे में रखकर दोनों का प्यार गहराता गया जिसके बाद एक रोज अचाकर अशरफी गोंदिया से भोपाल समीर के घर आकर उसके साथ रहने लगी। समीर की पहली बेगम ने उसका विरोध किया लेकिन अशरफी समीर के साथ बिना निकाह किए साथ रहने लगी। जिसके बाद समीर की बेगम और प्रेमिका में समीर के साथ वक्त बिताने का लेकर झगड़ा होने लगा जिससे तंग आकर समीर की बेगम बच्चों को लेकर मायके चली गई थी।

...पृष्ठ 2 का शेष

अगले दिन पूरा परिवार शव को ठिकाने लगाने के तरीके के बारे में सोचता रहा फिर तय हुआ कि रात के अंधेरे में शव को किसी सुनसान जगह पर फेंक दिया जाए।

इसके बाद अगले दिन रात में वे घर से निकले और एक सुनसान जगह की तलाश करने लगे। उन्हें एक प्लॉट में बना सेप्टिक टैंक दिखा। उन्होंने सोचा कि यह सबसे सुरक्षित जगह होगी, क्योंकि यहां कोई आता-जाता नहीं था और गंदे पानी में शव सड़कर गायब हो जाएगा। दूसरा सबसे बड़ा फायदा यह था कि लाश सड़ने की बदबू को लोग सेप्टिक टैंक से आने वाली बदबू समझकर अनदेखा कर देंगे। यह योजना बनाकर समीर, उसका भाई साहिल और बाकी परिवार के लोग शव से भरी पेटी को लेकर उस प्लॉट में पहुंचे। उन्होंने उसे रस्सी से बांधा और सेप्टिक टैंक के अंधेरे में फेंक दिया। उन्हें लगा कि उनका राज हमेशा के लिए उस टैंक की बदबू में दब कर खत्म हो जाएगा। लेकिन कुछ ही दिनों में टैंक से उठने वाली दुर्गंध ने उनके राज को बेनकाब कर दिया। पुलिस पूछताछ में समीर ने सारी कहानी बयान कर दी। उसने बताया कि कैसे अशरफी उसके लिए बोझ बन गई थी और उसने इस बोझ से छुटकारा पाने के लिए यह कदम उठाया। पुलिस ने समीर की निशानदेही पर उसकी मां शहनाज बी, भाई साहिल और बहन साइमा को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने भी हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 3 का शेष

वहां उसने बच्ची का मुंह और नाक तब तक दबाए रखा, जब तक कि उसके हाथ-पैर ढीले नहीं हो गए। इसके बाद उसने शव को करीब 12 घंटे तक अपने घर में ही एक रजाई में छुपा कर रखा। जब अंधेरा घिर आया, देर रात उसने शव को एक शॉल में लपेटा और घर से करीब 500 मीटर दूर गेहूं के खेत में जाकर फेंक दिया। उसकी योजना थी कि ऐसा करके पुलिस का शक किसी बाहरी व्यक्ति की तरफ जाएगा और वह बच जाएगी ।

आखिर एक औरत अपने ही पति के भाई की इतनी छोटी बच्ची की इतनी बेरहमी से हत्या क्यों कर देगी? पूछताछ में रानी ने जो बताया, उससे पता चलता है कि वह सिर्फ एक हत्या नहीं थी, बल्कि सालों से पल रहे अविश्वास और जलन का विस्फोट था। रानी को शक था कि उसके पति संतोष पनिका का उसकी देवरानी (प्रियांशु की मां) के साथ अवैध संबंध है। यह शक इतना गहरा था कि उसने मानसिक शांति छीन ली थी। पति से इस बात को लेकर कई बार झगड़े हुए। एक बार तो मामला इतना बढ़ा कि गांव के लोगों और परिवारजनों को बीच-बचाव करना पड़ा। करीब एक साल पहले गांव के मंदिर में पंचायत बुलाई गई और संतोष को कसम दिलाई गई कि वह इस तरह का कोई काम नहीं करेगा। लेकिन कसमों ने रानी के मन का शक नहीं मिटाया । वह मान बैठी थी कि प्रियांशु उसी अवैध संबंध का नतीजा है और उसके पति की ही संतान है। यही सोचकर उसके मन में बदले की आग भड़क उठी। उसने सोचा कि अगर उस बच्ची को नहीं मारूंगी, तो यह कलेजे का टुकड़ा हमेशा उस रिश्ते की याद दिलाता रहेगा, जिसने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी । एसपी मनीष खत्री ने बताया कि रानी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके तीन बच्चे हैं, जबकि प्रियांशु की मां के दो बच्चे थे, जिनमें प्रियांशु सबसे छोटी थी। दोनों परिवार एक ही गांव में कुछ ही दूरी पर रहते थे और दोनों के पति मजदूरी करते थे ।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 6 का शेष

अब पूरा मामला साफ हो चुका था इसलिए पुलिस दोनों को लेकर खरगोन आ गई जहां पूछताछ के बाद सुनीता के खिलाफ अपहरण एवं अप्राकृतिक संबंध का मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया। मायके में जूता-चप्पल की दुकान चलाने वाला परिवार अपनी जवान बेटी सुनीता की समलैंगिक आदत से परेशान था। कस्बे की एक युवती के साथ तो लोग उसे कई बार आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथ पकड़ चुके थे। विवाद बढ़ने पर सुनीता ने अपनी पार्टनर से शादी रचाने की कोशिश भी की थी लेकिन उसकी कोशिश परवान नहीं चढ़ सकी। इसी बीच सुनीता के विरोध के बावजूद परिवार वालों ने साल भर पहले उसकी शादी एक युवक के साथ कर दी। लेकिन बताते हैं कि सुहागरात में ही सुनीता ने अपने पति से साफ कह दिया कि वह समलैंगिक हैं इसलिए उसे पति के रुप में किसी पुरुष की जरूरत नहीं है। सुनीता की बात सुनकर पति भौंचक रह गया लेकिन लोक लाज के डर से उसने यह बात किसी को नहीं बताई। दूसरे उसे भरोसा था कि धीरे-धीरे सुनीता की यह बीमारी ठीक हो जाएगी और वह उसे पति के रूप में स्वीकार कर लेगी।

लेकिन सुनीता के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। सुसराल में संयुक्त परिवार था इसलिए सुनीता ने अपने जेठ की 16 वर्षीय खूबसूरत किशोर बेटी गौरी को अपना पार्टनर बनाने की सोचकर उसके साथ अपनेपन का व्यवहार शुरू कर दिया। चूंकि परिवार में पति के अलावा किसी को उसके समलैंगिक होने की बात नहीं पता थी इसलिए किसी से इस तरफ ध्यान नहीं दिया। जिसका फायदा उठाकर सुनीता ने किशोर उम्र गौरी के साथ मजाक के बहाने शारीरिक छेड़छाड़ कर उसके मन में वासना की आग फूंकना शुरू कर दिया। जिससे धीरे-धीरे चाची की बातों और हरकतों में नादान गौरी को रस आने लगा। इसलिए जब सुनीता ने देखा कि लोहा गर्म है तो उसने एक रोज गौरी को नए तरीके के कपड़े दिलाने का लालच दिया और अपने साथ पहले खरगोन फिर वहां से इंदौर ले आई।

इंदौर में सुनीता, गौरी को लेकर एक होटल में रुकी जहां उसने बरगला कर रात में गौरी के संग समलैंगिक संबंध बनाने के बाद उसे प्यार से समझाते हुए अपनी पत्नी बनकर रहने तैयार करने के बाद उसकी मांग में सिंदूर भरकर अपनी पत्नी स्वीकार कर लिया। जिसके बाद सुनीता ने खुद अपने बाल मर्दों की तरह कटवा लिए और पेंट शर्ट पहन कर पुरूष बन गई।

शाम को सुनीता ने बाजार जाकर गौरी के लिए एक मंगलसूत्र भी खरीदकर पहना दिया और फिर हनीमून के नाम पर 7 दिन तक होटल में रुककर गौरी के साथ अनैतिक संबंधो का खेल रचाती रही फिर 8 वें दिन उसे लेकर पीथमपुर में आकर किराये का मकान लेकर रहने लगी। मकान मालिक को उसने गौरी को अपनी पत्नी बताया था। पुलिस ने जब गौरी को बरामद कर सुनीता को गिरफ्तार किया तब जाकर मकान मालिक को सुनीता के महिला होने की बात पता चली।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

...पृष्ठ 8 का शेष

अपने पाप के बाद उसने बच्ची को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को कुछ बताया तो उसके पूरे घर की मौत हो जाएगी।

घटना के बाद पांडे नाग वहां से फरार हो गया। उसे पता था कि अब वह ज्यादा देर वहां नहीं टिक सकता। बच्ची बुरी हालत में वहीं पड़ी रही, उसके आंसू बह रहे थे, लेकिन वह समझ नहीं पा रही थी कि उसके साथ आखिर हुआ क्या है।

करीब एक घंटे बाद मां और छोटा बेटा विसर्जन करके वापस लौटे। घर में आते ही उन्होंने देखा कि उनकी बच्ची बदहवास हालत में पड़ी है। उसके कपड़े फटे हुए थे, शरीर पर चोट के निशान थे और वह खून से लथपथ फफक-फफक कर रो रही थी। मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह दौड़कर बच्ची के पास गई और उसे गले लगा लिया।

मां के पूछने पर मासूम ने तांत्रिक द्वारा किए गए दुष्कर्म की बात मां को बता दी। यह सुनते ने शोर मचाया जिसे सुनकर पड़ोसी दौड़ते हुए आए। किसी ने पानी पिलाया, किसी ने ढांढस बंधाया। लेकिन मां का रोना बंद नहीं हो रहा था। वह अपनी बेटी को देखकर बार-बार खुद को कोस रही थी कि उसने उस तांत्रिक पर विश्वास क्यों किया।

पूरी बात जानकर ग्रामीणों में गुस्से की लहर दौड़ गई। कुछ लोग तुरंत पांडे नाग को पकड़ने के लिए दौड़े, लेकिन वह फरार हो चुका था। तभी किसी ने सुझाव दिया कि पुलिस को सूचना दी जाए। मां ने हिम्मत जुटाई और उसी दिन जगन्नाथपुर थाने पहुंचकर पांडे नाग के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई।

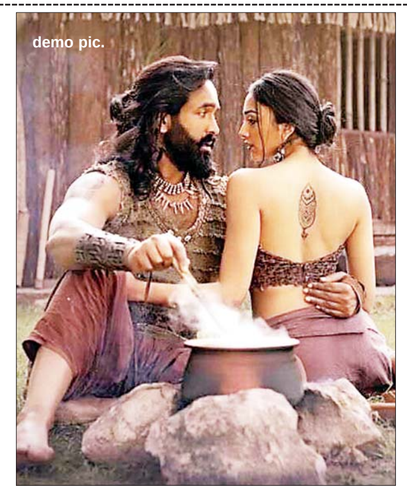

जैसे ही पुलिस को इस जघन्य वारदात की सूचना मिली, पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। यह कोई आम बलात्कार का मामला नहीं था, इसलिए संवेदनशील मामले को देखते हुए एसडीपीओ राफेल मुर्मू ने खुद मोर्चा संभाला और एक विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने सबसे पहले पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा, ताकि सबूत इकट्ठा किए जा सकें। साथ ही, आरोपी पांडे नाग की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई। पुलिस ने गांव और आसपास के इलाकों, जंगलों और रेलवे स्टेशनों पर नाकाबंदी कर दी।

2 मार्च 2026 को पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि आरोपी जंगलों की तरफ भागने की फिराक में है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी की और उसे धर दबोचा। पूछताछ में पांडे नाग ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे मौका मिल गया था। उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं था।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जांच में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया - पांडे नाग पहली बार अपराधी नहीं था। वह पहले भी बलात्कार के एक मामले में जेल जा चुका था। सजा काटने के बाद वह बाहर आया और फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ा। इस बार उसने तांत्रिक का भेष धारण कर लिया था ताकि लोगों का विश्वास जीतकर अपने मंसूबों को अंजाम दे सके।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

पीथमपुर

समलैंगिक चाची ने रचाई भतीजी से शादी

समलैंगिक चाची

सुनीता शादी से पहले दस से अधिक लड़कियों के साथ संबंध में रह चुकी थी। लेकिन इनमें से कोई भी उसकी पत्नी बनकर रहने राजी नहीं हुई तो उसने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग भतीजी को ही अपनी पत्नी बना लिया।

आरोपी चाची के 10 से अधिक युवतियों से समलैंगिक संबंध

जांच में सामने आया है कि आरोपी सुनीता के अपने मायके में दस भी अधिक युवतियों के साथ समलैंगिक संबंध रह चुके हैं। एक युवती के साथ तो उसने शादी कर उसे अपनी पत्नी बनाने के लिए काफी प्रयास किए लेकिन युवती के परिवार वालों ने उसकी योजना सफल नहीं होने दी।

भतीजी संग होटल में मनाया हनीमून

पुलिस पूछताछ में नाबालिग पीड़िता ने बताया कि चाची उसे नए कपड़े दिलाने के नाम पर पहले खरगोन फिर इंदौर ले गईं। इंदौर की एक होटल में चाची ने पहली रात मेरे कपड़े निकालकर गंदी हरकत की फिर दूसरे दिन मेरी मांग में सिंदूर भर दिया तथा दिन में मंगलसूत्र खरीदकर पहनाया। इसके बाद उन्होंने हनीमून वीक मनाने की बात कही और 7 दिन तक मुझे होटल में रखा। इस दौरान उन्होंने अपने बाल लड़कों की तरह कटवा लिए एवं कपड़े भी पेंट शर्ट पहनने लगी थी।

आरोपी चाची

खरगोन जिले के ग्राना टांडा बरुड में सुनीता नाम की विवाहित महिला की गुमशुदगी और उसकी भतीजी गौरी के अपहरण का मामला एक साथ 27 फरवरी को थाने में दर्ज करवाया गया था। सुनीता और गौरी आपस में चाची-भतीजी थी। पुलिस को एक शंका तो यह भी थी कि सुनीता ही अपने साथ गौरी को लेकर गई है। लेकिन पूरा महीना बीतते बीतते भी जब इनकी कोई खबर नहीं लगी तो टीआई ने अपने मुखबिरों को सक्रिय कर सुनीता के मायके से सुनीता के बारे में जानकारी जुटाने की कवायद शुरू की जहां वह एक साल पहले हुई अपनी शादी से पूर्व एक दुकान चलाती रही है। इस प्रयास में पुलिस को चौकाने वाली जानकारी मिली। जिसमें पता चला कि सुनीता समलैंगिक है। मायके में दस से अधिक महिलाओं के साथ उसके यौन संबंध होने की बात भी सामने आई। इनमें से एक युवती अनीता (बदला नाम) के साथ तो लोगों ने उसे रंगे हाथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था तब उसने अनीता को अपनी पत्नी बताया था।

पुलिस ने अनीता से संपर्क किया जिसमें उसने बताया कि एक रोज मैं सुनीता की दुकान पर गई थी। इस दौरान सुनीता का व्यवहार मेरे प्रति काफी अच्छा रहा जिससे हमारी दोस्ती हो जाने पर उसने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद वह अक्सर बात करने लगी और मैं भी उससे मिलने के लिए उसकी दुकान पर जाने लगी। इसी बीच धीरे-धीरे उसने मुझे अपने घर ले जाना शुरू कर दिया और एक रोज खेल-खेल के बहाने मेरे साथ यौन व्यवहार करने के बाद आए दिन इसी खेल के लिए मुझे जबरन अपने साथ घर ले जाने लगी थी।

अनीता ने बताया कि बाद में वह मेरे ऊपर अपने साथ शादी करने का दबाव बनाने लगी लेकिन मैंने ऐसा करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसके परिवार वालों ने जबरन उसकी शादी उमरखाली गांव में एक युवक से कर दी थी।

संयोग से इसी बीच पुलिस को एक व्यक्ति ने खबर दी कि दो दिन पहले जब वह काम से पीथमपुर गया था तो उसने बाजार में अपहृत नाबालिग गौरी को 25-27 साल के एक युवक के साथ घूमते देखा है। उसने यह भी बताया कि इस दौरान गौरी ने मांग में सिंदूर भर रखा था।

इस बात के सामने आने पर पुलिस ने गौरी के घर वालों से उसके किसी युवक के साथ प्रेम संबंध होने के बारे में जानकारी ली लेकिन परिवार वालों का कहना था कि इस संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। बहरहाल सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम पीथमपुर पहुंची जहां दो दिनों की कवायद के बाद उसने एक घर पर छापामारी कर गौरी को बरामद कर लिया। जिसने न केवल मांग में सिंदूर सजा रखा था बल्कि गले में मंगलसूत्र भी पहना हुआ था। यह देखकर टीम के साथ आई महिला पुलिस ने गौरी से उसके पति के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वो बाजार गए है अभी आते ही होंगे। संयोग से इसी समय गौरी का पति घर आ गया जिसे पुलिस ने तत्काल दबोच लिया तो यह राज खुला कि पुरुषों की तरह कपड़े पहने और बाल कटवाए यह युवक कोई और नहीं बल्कि गौरी की चाची सुनीता थी।

शेष पृष्ठ 7 पर...

दिखाती थी लड़कियों वाले वीडियो

पीड़ित किशोरी ने बताया कि चाची घर में सबसे अधिक मुझसे बात करती थी। इस दौरान उन्होंने एक दो बार मुझे ऐसे वीडियो दिखाए जिसमें दो लड़कियां गंदा काम कर रही थी। जब मैंने चाची से यह सब दिखाने से मना किया तो चाची कहती थी अरे लड़कों में मजा नहीं आता असली खेल तो दो लड़कियों के बीच होता है।

सिंगरौली

देवरानी के साथ पति के अवैध संबंध के शक में जेठानी से कर दी मासूम की हत्या

कातिल बड़ी मां

आरोपी जेठानी को शक था कि देवरानी की मासूम बेटी दरअसल उसके पति का खून है। इसलिए देवरानी से बदला लेने के लिए उसने ढेड साल की मासूम बच्ची की हत्या का शव को सुनसान खेत में फेंक दिया।

देवरानी के साथ पति के संबंधो का शक बना कारण

आरोपी बड़ी मां

खेत में पड़ी बच्ची की लाश

जांच में सामने आया है कि आरोपी रानी पनिका को शक था कि उसके पति संतोष के अवैध संबंध अपने छोटे भाई की पत्नी से है। उसे यह भी शक था कि मासूम बच्ची उसके पति का ही खून है जिसने देवरानी के गर्भ से जन्म लिया है। इसलिए उसने देवरानी से बदला लेने के लिए मासूम की हत्या कर दी।

सड़कों पर आ चुका था विवाद

आरोपी रानी का शक अपने पति और देवरानी के बीच अवैध संबंधो को लेकर इस हद तक जा चुका था कि कुछ महीने पहले गांव में यह विवाद सड़क पर आ गया था। तब गांव वालों के सामने संतोष ने मंदिर में जाकर कसम उठाई थी कि उसके किसी के साथ अवैध संबंध नहीं है लेकिन इसके बाद भी आरोपी का शक दूर नहीं हुआ था।

23 फरवरी 2026 की सुबह, सिंगरौली जिले के गढ़वा थाना क्षेत्र के नेवारी गांव में सन्नाटा चीखों में बदल गया। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर गेहूं के एक खेत में 18 महीने की एक बच्ची का शव पड़ा मिला। शव देखते ही गांव में हड़कंप मच गया। भीड़ जुटनी शुरू हो गई और कुछ ही देर में पहचान हुई कि यह छोटी सी बच्ची तो पिछले एक दिन से लापता प्रियांशु पनिका (डेढ़ वर्ष) है, जो संतोष पनिका की बेटी थी ।

लेकिन इस शव के पीछे जो दर्दनाक सच्चाई छिपी थी, उसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। एक ऐसा सच, जिसने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। पुलिस जांच में जो हुआ, वह किसी थ्रिलर फिल्म की कहानी से कम नहीं था। आरोपी कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्ची की अपनी ताई (बड़ी मां)28 साल की रानी पनिका निकली।

कहानी शुरू होती है 22 फरवरी की सुबह करीब 8 बजे से। प्रियांशु घर के बाहर खेल रही थी। कुछ ही देर में परिजनों की नजर पड़ी तो बच्ची गायब थी। आस-पास, गली-मोहल्ले, पड़ोसियों के यहां - हर जगह तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बेटी को लापता हुए कई घंटे बीत गए तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने तुरंत गढ़वा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई ।

पुलिस ने तलाश शुरू कर दी, लेकिन ग्रामीणों और परिजनों ने भी अपने स्तर पर दिन-रात एक कर दिया। अगले दिन, 23 फरवरी की सुबह, एक किसान ने अपने खेत में झाड़ियों के पास कुछ देखा। पास जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। वहां एक मासूम का नन्हा सा शव पड़ा था, जिसके शरीर पर चोट के निशान नहीं थे, लेकिन नाक के पास खून के धब्बे थे ।

सूचना मिलते ही गढ़वा थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई। एसडीओपी राहुल सैयाम ने मामले की जांच शुरू की। बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण कार्डियो रेस्पिरेटरी अरेस्ट यानी हृदय गति रुकना बताया गया ।

चूंकि शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं थी, इसलिए इसे अचानक हुई मौत मानकर परिजनों को शव सौंप दिया गया, जिसे उन्होंने दफना दिया। लेकिन प्रियांशु के परिवार का मन इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं था। एक सवाल उनके जेहन में बार-बार कौंध रहा था कि डेढ़ साल की बच्ची को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है?

परिवार ने हार नहीं मानी। 24 फरवरी को उन्होंने एसडीओपी राहुल सैयाम से मुलाकात की और दोबारा जांच की गुहार लगाई। उनकी जिद और बढ़ते सवालों के बीच पुलिस हरकत में आई। एसडीएम सौरभ मिश्रा से अनुमति लेकर पुलिस ने वो कर दिखाया, जो आमतौर पर गंभीर से गंभीर मामलों में ही होता है। पुलिस ने दफनाए गए शव को कब्र से बाहर निकलवा कर पीएम के लिए शव को रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां दोबारा पोस्टमार्टम हुआ। इस पोस्टमार्टम ने पूरे मामले को पलट कर रख दिया। रिपोर्ट में साफ हो गया कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई है। किसी ने उसका मुंह और नाक इस कदर दबा दिया था कि वह सांस नहीं ले पाई और उसकी जान चली गई ।

अब यह सिर्फ एक मौत का मामला नहीं, बल्कि हत्या का मामला बन चुका था। पुलिस ने तुरंत हत्या का केस दर्ज कर जांच को रफ्तार दी। जांच अधिकारी विद्या वारिध तिवारी की अगुआई में पुलिस ने हर उस व्यक्ति से पूछताछ शुरू की, जिसका बच्ची से कोई संपर्क हो सकता था। धीरे-धीरे शक की सुई घर की ही एक महिला की ओर मुड़ी - प्रियांशु की ताई रानी पनिका।

पुलिस ने गांव के लोगों और परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान पता चला कि घटना से ठीक दो दिन पहले रानी और प्रियांशु की मां (उसकी देवरानी) के बीच एक छोटी सी बात को लेकर विवाद हुआ था। दरअसल, रानी के घर की पानी की मोटर खराब हो गई थी, इसलिए वह देवरानी के यहां पानी भरने गई थी। लेकिन देवरानी ने मोटर बंद कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि उसी समय दूसरे लोगों को वह पानी दे रही थी, लेकिन रानी के लिए उसने पानी बंद कर दिया। यह कोई बड़ा झगड़ा नहीं था, लेकिन यह उस आग में घी का काम कर गया, जो सालों से रानी के मन में धधक रही थी ।

सख्ती से पूछताछ करने पर रानी टूट गई। उसने पुलिस के सामने ऐसा कबूलनामा किया कि रूह कांप उठी। उसने बताया कि उसने ही प्रियांशु को मारा है। 22 फरवरी की सुबह जब बच्ची खेल रही थी, रानी उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गई।

शेष पृष्ठ 7 पर...

ग्वालियर

बहन की सहेली से बलात्कार कर शातिर युवक ने वसूले 50 लाख

ब्लैकमेलर

शादी के नाम पर नाबालिग सोनी के संग शारीरिक रिश्ता कायम करने के वक्त संजय ने इस घटना का अश्लील वीडियो बना लिया था जिसे वायरल करने की धमकी देकर उसने सोनी के माध्यम से उसके पिता की तिजौरी खाली कर दी।

पड़ोसी सहेली का भाई होने के नाते सोनी को संजय से बात करने में कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन संजय की नजर खूबसूरत सोनी की मासूमियत के साथ-साथ उसके पिता की करोड़ो की दौलत पर भी है। इसलिए सोनी के साथ अपना अश्लील वीडियो बनाकर उसने सोनी से पचास लाख से भी अधिक की रकम वसूल ली थी।

कहते है दर्द जब हद से गुजर जाए तो खुद दवा बन जाता है। यह बात भय पर भी लागू होती है क्या?

शायद हां। क्योंकि लगातार एक महीने तक भय के साये में जीने के बाद सोनी (बदला नाम) अब भय से उबरने लगी थी। वर्ना एक समय तो वह था कि जैसे ही घर का कोई आदमी तिजौरी वाले कमरे की तरफ जाता था सोनी की जान हलक में आकर अटक जाती थी। लेकिन धीरे-धीरे एक महीने का समय बीत जाने पर भी वैसा कोई धमाका नहीं हुआ जिसके होने की सोनी को उम्मीद थी तो उसका भय अब कम होने लगा था।

लेकिन घड़े से गिलास दो गिलास पानी निकालने पर तो संभव है कि किसी को पानी की चोरी का अंदाजा न लगे। लेकिन यह बात तब तो कतई नहीं छुप सकती जब कि पूरा घड़ा ही खाली कर दिया जाए। सो यही इस मामले में हुआ।

बात है ग्वालियर में की एक पॉश कालोनी में रहने वाले बड़े कारोबारी परिवार की। जून महीने के तीसरे हफ्ते की बात है। उस रोज परिवार के मुखिया ने सुबह स्नान, ध्यान से फ्री होकर अपने कारोबारी आफिस जाने से पूर्व बंदूक के लाइसेंस संबंधी अटके काम को पूरा करने कलेक्ट्रेट जाने का मन बनाकर पुराना लाइसेंस निकालने के लिए तिजौरी खोली तो वह चौंक गए। तिजौरी में वह बैग नहीं था जिसमें वह अपना शस्त्र लाइसेंस और कारतूस रखा करते थे।

बैग किसी ने निकालकर कहीं रख दिया होगा इसकी संभावना न के बराबर थी इसलिए उन्होने तिजौरी के तमाम खानों को खोलकर देखा लेकिन कारतूस वाला बैग कहीं भी नहीं दिखा। इसी बीच बैग को लेकर बढ़ रही परेशानी के बीच उनका ध्यान इस बात की तरफ गया कि तिजौरी से केवल बैग ही नहीं बल्कि सभी पुश्तैनी जेवरात और नगदी भी तिजौरी से गायब थी।

तिजौरी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था उसकी चाबी भी यथा स्थान रखी मिली थीं। ऐसे में साफ था कि चोरी चाबियों की माध्यम से करने के बाद वापस ठिकाने पर रख दी गई थी। तिजौरी की चाबियां कहां रखी रहती है इसकी जानकारी परिवार के अलावा किसी दूसरे को नहीं थी इसलिए परिवार के मुखिया चाहकर भी घर के लोगों पर शक नहीं कर पा रहे थे।

पत्नी को वो पिछले 25 सालों से जानते थे। 16 साल की बेटी सोनी (बदला नाम) ऐसा करेगी इसका भी उन्हें भरोसा नहीं था। लेकिन बात लगभग 50 लाख की चोरी की थी इसलिए घर वालों से पूछना तो पड़ेगा ही क्योंकि चोरी चाबियों से तिजौरी का ताला खोलकर करने के बाद चाबियों को वापस उनकी जगह पर रख दिया गया।

इस कवायद में जब बेटी सोनी से पूछा गया तो उसके चेहरे की घबड़ाहट देखकर पिता को शक हो गया कि सोनी इस बारे में जरूर कुछ जानती है। इसलिए उनके इशारे पर मां ने सोनी को दूसरे कमरे में ले जाकर प्यार से इस बारे में पूछा तो वह मां के सीने से लगकर रोते हुए माफी मांगने लगी।

इसके बाद उसने जो कुछ बताया उसे सुनकर माता-पिता के पैरों तले से जमीन खिसक गई। क्योंकि उनकी जान पहचान के एक युवक ने न केवल उनकी खूबसूरत और मासूम बेटी के संग कई बार बलात्कार किया था बल्कि अपने अश्लील कृत्य की वीडियो बनाकर वह सोनी को ब्लैकमेल कर रहा था जिसके चलते तिजौरी से लगभग 45 तोला सोने और 400 ग्राम चांदी के पुश्तैनी जेवरात और तिजौरी में रखे 80 हजार की नगदी सोनी ने ही चोरी कर कारतूस वाले बैग में रखकर युवक संजय भदौरिया को सौंपी थी। सोनी के माता पिता सोच में पड़ गए। दौलत की उनको चिंता न थी, चिंता तो अपनी बेटी के भविष्य की थी जिसकी अश्लील फिल्म एक शातिर युवक के मोबाइल में कैद थी।

संजय जिसका नाम सोनी ने पिता को बताया था वह उनके पड़ोस रहकर दुकान करता था। इसलिए उसे दबोच कर चार झापड़ लगाने में उन्हें देर नहीं लगती लेकिन ऐसा करने से क्या वह सोनी की अश्लील फोटो वाला वीडियो डिलीट कर सोनी से ब्लैकमेल कर लूटी गई लगभग 50 लाख से भी अधिक कीमत की संपति वापस करेगा। ऐसा होगा इसकी उम्मीद कम थी लेकिन बदनामी होने की संभावना पूरी-पूरी।

बदनामी तो पुलिस के पास जाने से भी होने वाली थी लेकिन इस बात की संभावना अधिक थी कि पुलिस संजय के मोबाइल में कैद सोनी का अश्लील वीडियो जब्त कर ले और लूटी रकम भी वापस मिल जाए। इसलिए काफी सोच विचार के बाद सोनी के पिता उसी दिन शाम को सोनी को लेकर एसएसपी ग्वालियर धरमवीर सिंह के पास जा पहुंचे और सोनी के साथ घटी पूरी घटना उनके सामने बयां कर दी।

मामला बेहद गंभीर देखकर एसएसपी धरमवीर सिंह ने

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

तत्काल संबंधित थाना पुलिस को सोनी की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए। जिससे महिला पुलिस की मदद से सोनी का मेडिकल टेस्ट करवाने के बाद आरोपी संजय भदौरिया के खिलाफ पॉक्सो एक्ट एवं धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तत्काल एक टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए रवाना कर दी गई।

संभवतः इसी दौरान सोनी के अपने पिता के साथ पुलिस थाने जाने की जानकारी किसी तरह से संजय को लग गई इसलिए वह घर से तो फरार हो गया लेकिन इससे पहले कि ग्वालियर छोड़ पाता पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान संजय ने पहले तो सोनी द्वारा लगाए आरोपों को झूठ बताने की कोशिश की लेकिन जब पुलिस ने उसका मोबाइल अपने कब्जे में कर जांच की तो मोबाइल में सोनी के साथ अश्लील वीडियो बरामद हो जाने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर सोनी को ब्लैकमेल करने की बात मान ली।

इसके बाद उसने बताया कि सोनी द्वारा दिया गया सोने से बना कीमती हार, दस कारतूस और नगद 80 हजार रुपए उसके पास रखे हैं। जबकि सोने चांदी के बाकी जेवर उसने 24 लाख के बदले में बैंक में गिरवी रख दिए थे। संयोग से वह 24 लाख रुपया भी उसने बैंक खाते में रखा हुआ था इसलिए पुलिस ने न केवल उसके घर में छुपाकर रखा गया सीतारानी हार, नगदी और कारतूस बरामद कर लिए बल्कि बैंक से 24 लाख रुपया निकालकर बैंक का कर्ज चुकाने के बाद गिरवी रखे जेवर भी बरामद कर लिए।

जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिए जाने के बाद कहानी इस प्रकार से सामने आई।

एक पॉश कालोनी में बनी आलीशान कोठी के मालिक को ग्वालियर में कौन नहीं जानता। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के कारण शहर में उनकी अच्छी साख है। उनकी बेटी 16 साल की सोनी शहर के नामी स्कूल में दसवीं कक्षा की स्टूडेंट है। बेहद खूबसूरत और जितनी खूबसूरत उतनी ही सौम्य। पढ़ने लिखने में भी सोनी का कोई मुकाबला नहीं इसलिए स्कूल से घर और घर से स्कूल के अलावा उसका एक मात्र ठिकाना पड़ोस में रहने वाली सहेली का घर था।

सहेली पहले उसके साथ ही पढ़ती थी लेकिन 9 वीं क्लास से सोनी के पिता ने उसका प्रवेश जिस मंहगे स्कूल में करवा दिया था उसमें पढ़ने की हैसियत सहेली की नहीं थी इसलिए अब दोनों अलग-अलग स्कूल में जरूर पढ़ती थी लेकिन उनकी दोस्ती पहले की तरह अपनी जगह पर काबिज थी। इसलिए सोनी के घर में उसकी सहेली का और सहेली के घर में सोनी का काफी आना-जाना था।

सोनी की सहेली का बड़ा भाई था संजय। संजय को सोनी बचपन से जानती थी और पड़ोसी एवं सहेली का भाई होने के कारण संजय का भी कभी कभार सोनी के घर में आना-जाना होता रहता था।

समय के साथ सोनी ने 15 वर्ष में कदम रखा तो उसका रंग रूप अचानक से निखर उठा। इसलिए बचपन से सोनी को बहन के साथ देख रहे संजय ने जब सोनी का यह रूप देखा तो वह उसका दीवाना होकर मन ही मन सोनी को चाहने लगा। लेकिन वह जानता था कि सोनी बहुत रईस परिवार की बेटी है इसलिए शायद ही उसका प्यार स्वीकार करे। लेकिन वह जितना अपने मन को समझाता मन उतना की सोनी के लिए परेशान होता जाता।

इसी बीच उसने सोनी के बारे में अपने एक दोस्त से भी बात की तो दोस्त बोला मौका अच्छा है तेरा तो उसके घर में भी आना-जाना है लपेट क्यों नहीं लेता उसे।

अरे नहीं यार उसका पिता बहुत पैसे वाला है वह सोनी की शादी कभी मेरे साथ नहीं करेगा।

अरे तो तुझसे शादी करने की कह की कौन रहा है। मस्ती तो कर सकता है अगर लड़की हाथ आ गई तो लड़की के साथ माल पर भी हाथ साफ कर देना।

कैसे?

अरे लड़की की फिल्म बनाकर। उसे अपनी इज्जत प्यारी होगी तो खुद वाप का माल लाकर देगी।

अरे नहीं मुझे डर लगता है।

तो मेरी दोस्ती करवा दे उससे। जितना माल मिलेगा आधा-आधा बांट लेंगे। दोस्त ने ऑफर दिया लेकिन संजय ने उसकी बात नहीं मानी और खुद ही प्रयास करने की ठानकर मौके की तलाश करने लगा। जिसके चलते अगस्त 2024 में फ्रेंडशिप-डे के दिन संजय सोनी से मिला और उसके सामने दोस्ती का प्रस्ताव रखा।

सोनी चौंक गई उसने कहा आप तो पहले से ही हमारे दोस्त हो फिर आज यह नया क्या?

वो दोस्ती नहीं मैं तुमसे खास दोस्ती की बात कर रहा हूं। तुम्हें प्यार करने लगा हूं तुमसे शादी करना चाहता हूं।

उसके लिए अभी मैं बहुत छोटी हूं।

कोई बात नहीं मेरा प्यार कुबूल करो तो मैं तुम्हारा इंतजार करने तैयार हूं।

पापा नहीं मानेंगे।

उनको मैं मना लूंगा। संजय ने सोनी से कहा लेकिन सोनी ने डर के कारण उसे कोई सीधा जबाव नहीं दिया और बाद में बात करने का कह कर उसके सामने से हट गई।

संजय समझ गया कि सोनी के मन में प्यार की आग लगाने में वह सफल रहा है। इसलिए दो चार दिन बाद मौका मिलने पर उसने फिर सोनी के सामने अपना प्रस्ताव रखा तो जबाव में सोनी मुस्करा कर रह गई। इससे संजय की हिम्मत बढ़ी और शाम को ही उसने सोनी को फोन लगाकर उससे सोनी का जबाव पूछा।

इस पर सोनी काफी सोचकर बोली ठीक है मेरे बड़े होने का इंतजार करो। पापा मान गए तो मैं भी मान जाऊंगी।

सोनी को लगता था कि यह बात फिलहाल यही थम जाएगी लेकिन उस रोज के बाद संजय उसे रोज फोन करने लगा जिससे धीरे-धीरे उनकी प्रेम कहानी शुरू हो गई। इस दौरान सोनी भी अब संजय की बहन को अपने घर मिलने के लिए बुलाने के बजाए खुद उसके घर ज्यादा जाने लगी ताकि संजय से आमने-सामने की मुलाकात हो सके। इस दौरान संजय सोनी को किसी बहाने से छू लेता तो सोनी के शरीर में करंट सा दौड़ जाता।

इसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे दोनों का ही मन होने लगा कि कभी उन्हें एक दूसरे के पास बैठने का वक्त मिले। इसके लिए जब संजय ने सोनी से बार-बार कहा तो वह इस बात के लिए राजी हो गई कि जब मिलने का मौका होगा वह उसे फोन कर बुला लेगी। इसके बाद सोनी ने एक दो बार उसे मिलने बुलाया भी और कभी मौका देखकर खुद संजय के घर उससे मिलने का गई। लेकिन संजय घाघ था उसे मालूम था कि जल्दबाजी करने से बात बिगड़ सकती है इसलिए इन मुलाकातों के दौरान उसने पूरी शराफत बरती। क्योंकि उसे तो इंतजार था ऐसे मौके का जब वह अपनी योजना पर अमल कर सके।

यह मौका संजय को इसी साल एक रोज मिल गया। उस रोज सोनी के पिता सुबह-सुबह पत्नी के साथ कार लेकर कहीं निकले तो संजय सीधे सोनी के घर जा पहुंचा। उस समय सोनी नहा कर बाथरूम से बाहर निकली थी इसलिए उसने अपने बदन पर केवल टॉवल लपेट रखा था। संजय को यह अच्छा मौका लगा इसलिए उसने सोनी को पकड़ कर सोफे पर गिरा लिया। इस दौरान टॉवल खुल कर जमीन पर गिर जाने से सोनी शर्म के कारण अंदर बेडरूम में भागी तो संजय पीछे से वहां पहुंच गया और कपड़े पहनने की कोशिश कर रही सोनी के हाथ से उसके कपड़े छीनकर सोनी को उठाकर बिस्तर पर ले गया।

सोनी संजय के इरादा भांप चुकी थी। वह इस स्थिति के लिए कतई तैयार नहीं थी इसलिए उसने संजय के हाथ-पैर जोड़कर उससे ऐसा न करने को कहा। लेकिन संजय ऐसा मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहता था। इसलिए उसने अपने प्यार की दुहाई देते हुए जबरन सोनी के साथ शारीरिक संबंध बना डाला।

तूफान शांत होने के बाद संजय दूर हटा तो सोनी को अपने साथ हुए का अंदाजा होने पर वह रोने लगी। इस पर संजय ने उससे कहा कि हम दोनों को आज नहीं कल शादी करना ही है इसलिए इस बात को वह मन पर न ले। इतना कहकर संजय दूर टेबिल पर टिका कर रखा अपना मोबाइल उठाकर सोनी को रोता हुआ छोड़कर वहां से चला गया।

सोनी को जितना दुख अपने साथ हुए पाप का था उससे अधिक दुख संजय द्वारा यूं बेरुखी से उठकर चले जाने का हुआ। दर्द के कारण सोनी से उठा नहीं जा रहा था लेकिन मम्मी पापा के वापस लौटने के डर से वह किसी तरह बिस्तर से उठकर एक बार फिर नहाने के लिए बाथरूम में घुस गई।

सोनी संजय के कहे अनुसार रोज शाम को एक तय समय पर गैलरी में आती थी उस समय संजय सामने ही खड़ा रहता था लेकिन उस रोज वह गैलरी में नहीं आई तो संजय समझ गया कि सोनी नाराज है लेकिन इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला था क्योंकि बलात्कार के दौरान वह सोनी को के साथ अपना अश्लील वीडियो मोबाइल में कैद कर चुका था।

अगले दिन दोपहर में संजय ने सोनी को फोन कर अपनी बहन से मिलने के बहाने घर बुलाकर उसे एक रोज पहले बनाया अश्लील वीडियो दिखाते हुए कहा मेरे ऊपर काफी कर्ज है इसलिए तुम अपने पिता की तिजौरी से निकालकर मुझे पैसा दो ताकि मैं अपना कर्ज उतार सकूं।

यह मैं नहीं कर सकती, सोनी ने कहा तो संजय ने उसे धमकी दी कि अगर उसने बात नहीं मानी तो वह अपने साथ उसके सेक्स का यह वीडियो सोनी के पिता और दूसरे रिश्तेदारों के अलावा स्कूल में सभी बच्चों को वायरल कर देगा।

संजय की बात सुनकर सोनी परेशान हो गई उसने संजय से ऐसा न करने को कहा लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। इतना ही नहीं इस घटना के कुछ दिनों के बाद जब संजय ने देखा कि सोनी घर पर अकेली है तो उसने वहां जाकर वीडियो वायरल करने का भय दिखाकर फिर बलात्कार किया और फिल्म भी बना ली।

इसलिए संजय के बलात्कार और धमकी से डरकर सोनी उसकी बात मानने राजी हो गई जिसके चलते 25 अप्रैल के दिन मौका लगने पर उसने घर की तिजौरी से 45 तोला सोना और चार सौ ग्राम चांदी के जेवरों के अलावा उसमें रखे 80 हजार रुपए नगदी भी चुराकर संजय को सौंप दिए।

चोरी न पकड़ी जाए इसलिए सोनी ने पुराने पुश्तैनी जेवर चुराए थे जो मां पहनने के काम में नहीं लेती थी। मगर उसने जेवर भरने के लिए तिजौरी में रखा वही काला बैग उपयोग किया जिसमें उसके पिता का शस्त्र लाइसेंस और कारतूस रखे थे। घबड़ाहट में सोनी ने बैग में भरा यह सामान भी नहीं निकाला था इसलिए महीने भर बाद जब पिता को इसकी जरूरत पड़ी तो सारा भेद खुलकर सामने आ गया।

कहानी पुलिस सूत्रों पर आधारित सभी नाम बदले हुए हैं।

आश्चर्यजनक रूप से बरामद हुआ पूरा माल

घटना का खुलासा करती पुलिस

संजय ने सोनी को ब्लैकमेल करते हुए 50 लाख के अधिक की नगदी और जेवर हड़प लिए थे। घटना का खुलासा महीने भर बाद हुआ लेकिन आश्चर्यजनक रूप से संजय के पास से पूरा माल बरामद कर लिया गया है। दरअसल संजय ने बेहद प्राचीन हार, कारतूस और नगद राशी अपने पास रखकर बाकी जेवर बैंक में गिरवी रखने मिला 24 लाख रुपया भी खाते में जमा कर दिया था। इसलिए पूरा पैसा और जेवर बरामद हो सका।

बहन की सहेली होने का उठाया फायदा : आरोपी संजय की बहन के साथ सोनी की अच्छी दोस्ती है। दोनों पड़ोसी भी है इसलिए उनका एक दूसरे के घर आना जाना भी था। इसी बात का फायदा उठाकर संजय ने सोनी के घर आना-जाना शुरू कर उससे नजदीकी बढ़ाई थी।

फ्रेंडशिप-डे पर रखा दोस्ती का प्रस्ताव, बेलेंटाइन-डे पर की पहली मुलाकात

संजय काफी शातिर है उसने सोनी के सामने दोस्ती का प्रस्ताव अगस्त 24 में फ्रेंडशिप-डे पर रखा था। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों में प्यार हुआ तब संजय ने सोनी एकांत में पहली मुलाकात फरवरी 25 में वेलेंटाइन-डे पर करने के बाद 3 अप्रैल का मौका मिलने पर रेप कर उसकी अश्लील वीडियो बना ली थी।

कारतूस वाले बैग से खुला राज

संजय द्वारा जेवरों और पैसों की मांग करने पर सोनी ने तिजौरी में रखे काले बैग में भरकर सारा माल संजय को सौंप दिया था। इसी बैग में पिता शस्त्र लाइसेंस और कारतूस रखे थे। इसलिए सोनी के पिता ने जब कारतूस वाला बैग निकालने तिजौरी खोली तो बैग गायब मिलने से पूरी चोरी का पता चला।